

महर्केन्द्रकृष्णकृष्णवन्नम् ॥ त्रिलोक विजय शशीलाल
अर्द्धद्वारा असुराम् ॥ असुराम् ॥ असुराम् ॥ असुराम् ॥ असुराम् ॥
असुराम् ॥ असुराम् ॥ असुराम् ॥ असुराम् ॥ असुराम् ॥ असुराम् ॥